दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

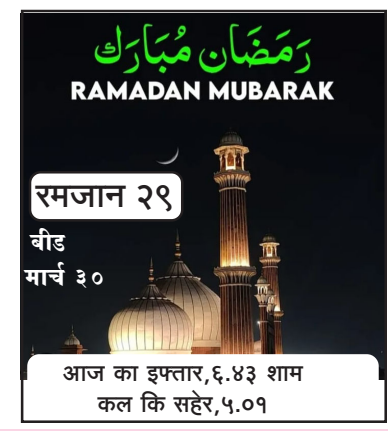

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२३६ वा | रविवार ३० मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

अर्धमसला की मस्जिद में देर रात बम धमाका, दो आरोपी गिरफ्तार-मास्टरमाइंड की तलाश जारी

विधायक संदीप क्षीरसागर और पूर्व विधायक सय्यद सलीम ने भी मस्जिद का मायना किया।

शांति बनाए रखें, अफवाहों से बचें-एसपी काँवत

प्रतिनिधि, तलवाडा

महाराष्ट्र के बीड़ ज़िले के गेवराई तालुका अंतर्गत तलवाडा पुलिस थाने की सीमा में स्थित अर्धमसला गांव में दिनांक ३० मार्च की रात लगभग तीन बजे मस्जिद पर बम धमाका हुआ। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इस मामलेके दो आरोपीयोको पोलिसोने हिरासमत मे लिया गया है. इसमे विजय रामा गव्हाणे, श्रीराम अशोक सांगडे इन दोन आरोपीयो को पोलिसोने गिरफ्तार किया है.

रमजान ईद के एक दिन पहले मार्च की रात लगभग ८ बजे पीर का संदल निकाला जा रहा था। संदल की चादर लेकर जब कुछ युवक आगे बढ़ रहे थे, तब अर्धमसला के कुछ युवकों ने कथित तौर पर टिप्पणी करने पर विवाद की स्थिति बनी।

आरोपी

विजय गव्हाणे श्रीराम सांगडे

घटना की गंभीरता को देखते हुए विभागीय आईजी मिश्रा स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे। उनके साथ पुलिस अधीक्षक नवनीत कवठ, अपर पुलिस अधीक्षक सचिन पाडकर, एलसीबी के प्रमुख उस्मान शेख समेत वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अब तक इस हमले के मास्टरमाइंड की पहचान नहीं हो सकी है।

धमाके से पहले हुआ विवाद

मिली जानकारी के अनुसार, २९ ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस मामले की जानकारी तत्कालीन व पूर्व जनप्रतिनिधियों को दी, जिन्होंने मामले को शांत करने का प्रयास किया और सभी लोग अपने-अपने घर लौट गए। लेकिन उसी रात मस्जिद में बम विस्फोट हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही तलवाडा पुलिस स्टेशन के अधिकारी सोमनाथ नरके अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पंचनामा किया।

तनाव के बीच शांति बनाए रखने की अपील●इस घटना के विरोध में ३० मार्च, रविवार की सुबह ११ बजे मुस्लिम युवाओं ने शहर में नारेबाज़ी करते हुए व्यापारिक क्षेत्र बंद कराया। मौके पर पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मध्यस्थता करते हुए समाज में सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना की कोई भी समर्थन नहीं कर सकता और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके बाद बाजार क्षेत्र कुछ हद तक सामान्य स्थिति में लौट आया।

अर्धमसला गांव में दंगा नियंत्रण दस्ता तैनात कर दिया गया है और पुलिस हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

बीड़ से रिपोर्ट

गेवराई तालुका की मस्जिद में हुए जिलेटिन विस्फोट को लेकर बीड़ ज़िले के पुलिस अधीक्षक नवनीत कवठ ने जानकारी दी है कि इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया गया है और उनके ख़िलाफ़ सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एसपी नवनीत कवठ ने ज़िले की जनता से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें, किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और आने वाले सभी त्योहारों को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं। पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता से काम कर रहा है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अगर नितेश राणे चुप रहें तो महाराष्ट्र का भला होगा - बीड़ से प्रतिक्रिया

बीड़ से विशेष संवाददाता

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे शायद राज्य के इतिहास में पहले ऐसे मंत्री हैं जो सरकार में रहते हुए भी कानून व्यवस्था और शांति को प्रभावित कर रहे हैं। सभी धर्मों के बुद्धिजीवियों का मानना है कि अगर नितेश राणे के मस्जिद में घुसकर मारेंगे वाले बयान पर समय रहते कार्रवाई की जाती, तो आज बीड़ ज़िले के गेवराई तालुका के युवाओं की मानसिकता इस तरह नहीं बनती।

राज्य में लगातार बढ़ रहे तनाव के माहौल के बीच बुद्धिजीवियों ने यह भी कहा है कि ऐसे भड़काऊ बयान न केवल समाज को बांटते हैं बल्कि कानून व्यवस्था के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि नितेश राणे जैसे नेताओं पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए ताकि महाराष्ट्र में धार्मिक सौहार्द और शांति बनी रहे।

सऊदी अरब और कतर में देखा गया चांद..कल मनाई जाएगी ईद

नवी दिल्ली: संवादाता

सऊदी अरब और कतर में आज यानी कि चांद देखा गया. अब ईद की नमाज सऊदी औक कतर में कल यानी कि रविवार, ३० मार्च को मनाई जाएगी. चांद देखे दाने की पुष्टि मस्जिद हरम का अपडेट देने वाले ट्विचर मीडिया प्लेटफॉर्म ने दी.

जानकारी देते हुए कहा कि सऊदी अरब में चाँद दिखाई दिया है. ईद रविवार, ३० मार्च २०२५ को मनाया जाएगा. वहीं कतर के बंदोबस्ती मंत्रालय (अवकाफ) और इस्लामी मामलों के मंत्रालय की अर्धचंद्राकार चांद समिति ने घोषणा की है कि शव्वाल का चांद आज रात देखा गया और रविवार, ३० मार्च, २०२५, कतर में ईद-उल-फितर का पहला दिन है.

भारत में ३१ अप्रैल को ईद मनाई जाएगी आपकों बता दें कि सऊदी अरब में ईद मनाने के एक दिन बाद भारत में ईद मनाई जाती है. इस हिसाब से भारत में ३१ अप्रैल को ईद मनाई जाएगी. लेकिन यह चांद देखने के बाद ही कंफर्म होगा कि ईद ३१ अप्रैल को मनाई जाएगी या नहीं.

बच्चे आपके, तो फिर उनकी मां आपकी पत्नी कैसे नहीं?-कोर्ट का धनंजय मुंडे से सवाल

जमीर काज़ी, मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के नेता और पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। करुणा शर्मा (मुंडे) को गुजारा भत्ता देने के आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान माझगांव सत्र न्यायालय ने मुंडे को फटकार लगाते हुए पूछा - जब बच्चे आपके हैं, तो फिर उनकी मां आपकी पत्नी कैसे नहीं?

इस पर मुंडे के वकील ने जवाब दिया कि धनंजय मुंडे और करुणा शर्मा ने विवाह नहीं किया है, बल्कि वे 'लिव-इन रिलेशनशिप' में रह रहे थे। वहीं करुणा शर्मा ने दावा किया है कि उनका मुंडे से विधिवत विवाह हुआ है और वह इस संबंध में साक्ष्य पेश करने को तैयार हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई ५ अप्रैल को होगी।

गौरतलब है कि बांद्रा फैमिली कोर्ट ने पिछले महीने करुणा शर्मा को हर महीने २ लाख रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए धनंजय मुंडे ने माझगांव सत्र न्यायालय में याचिका दाखिल की थी, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान मुंडे के वकील ने दोहराया कि धनंजय मुंडे ने करुणा शर्मा से कोई वैध शादी नहीं की है। इसके बाद अदालत ने करुणा शर्मा के वकील से पूछा कि अगर विवाह हुआ है, तो उसके क्या प्रमाण हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि सभी आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे, इसके लिए कुछ समय चाहिए। अदालत ने उन्हें समय देते हुए ५ अप्रैल तक साक्ष्य पेश करने का निर्देश दिया है।

वहीं, कोर्ट ने पूछा कि जब आप (मुंडे) दोनों बच्चों को स्वीकार करते हैं, तो उनकी मां से विवाह क्यों नहीं किया? इस पर मुंडे के वकील ने कहा कि बच्चे तो उन्होंने स्वीकार किए हैं, लेकिन विवाह नहीं किया।

साथ ही, मुंडे के वकील ने दावा किया कि करुणा शर्मा की सालाना आय लगभग १५ लाख रुपये है और वह आयकर भी अदा करती हैं, इसीलिए वे आर्थिक रूप से सक्षम हैं। फिर भी उन्होंने गुजारा भत्ते की मांग की है।

अब देखना यह है कि करुणा शर्मा द्वारा विवाह के प्रमाण पेश किए जाने के बाद यह मामला किस मोड़ पर जाता है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

रायमोहा में असद सेवा भाई संस्था द्वारा रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन, जकात के ज़रिए इंसानियत की भलाई का संदेश-जयदत्त क्षीरसागर

रायमोहा (प्रतिनिधि) - असद सेवा भाई संस्था की ओर से रायमोहा में एक भव्य रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जयदत्त (अण्णा) शेरसागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इफ्तार के मौके पर अपने संबोधन में जयदत्त शेरसागर ने सभी को रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा:

इस पवित्र इफ्तार के मौके पर आप सबके बीच उपस्थित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। रमजान केवल रोजा और इबादत का महीना नहीं, बल्कि यह इंसानियत, भाईचारे और आत्म-नियंत्रण का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि रमजान हमें सिखाता है कि इंसान अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखे, भूख और प्यास का अनुभव करे, और ज़रूरतमंदों की तकलीफ को महसूस करे। यह आत्मा की शुद्धि का महीना है।

शेरसागर ने जकात पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि जकात केवल एक दान नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, जो हर सक्षम व्यक्ति को यह सिखाती है कि वे अपनी कमाई का एक हिस्सा गरीबों, यतीमों और ज़रूरतमंदों के लिए जरूर निर्धारित करें।

उन्होंने कहा कि जकात समाज में संतुलन और न्याय की नींव रखती है। यह हमें यह एहसास कराती है कि हर व्यक्ति को जीने का हक है - यही असली इंसानियत है।उन्होंने आगे कहा कि रमजान का संदेश केवल धर्म तक सीमित नहीं है - यह एक ऐसी भावना है जो हर दिल को जोड़ती है और हर घर में रोशनी लाती है। आज जब दुनिया में नफरतें बढ़ रही हैं, रमजान हमें मोहब्बत, सब्र और सेवा का संदेश देता है। उन्होंने सभी से अपील की कि रमजान के सिद्धांतों को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं और ज़रूरतमंदों की मदद में हमेशा आगे रहें।अंत में शेरसागर ने दुआ करते हुए कहा कि आप सबका रोजा, दुआ और जकात कबूल हो - यही मेरी दिल से दुआ है। इस मौके पर आयोजकों में अमानुल्ला खान पठान, एडवोकेट अब्दुल जब्बार खान पठान, उमर खान पठान और सुलेमान पठान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस इफ्तार कार्यक्रम में डॉ. योगेश शेरसागर, विलास बडगे, शुभा शेरसागर, नानासाहब काकड़े, नूनाथ कुलकर्णी और मौलाना मोइनुद्दीन भी विशेष रूप से मौजूद थे।

बीड जम जम कॉलोनी येथील अलीजा मुबिन शेख

या ०५ वर्षीय चिमुकलीने पवित्र रमजान महिन्याचा त्याच्या जीवनातील पहिला रोजा पूर्ण केलाय. पहाटे पाच वाजेच्या सुमारास रोजा ठेवला व संध्याकाळी सहा वाजून ४२ मिनिटांनी (उपवास) रोजा सोडला. त्याबद्दल त्याचे सर्व कौटुंबिक सदस्य नातेवाईक मित्र परिवारातील सदस्यांनी कौतुक करुन अभिनंदन केले.

'जिव्हाळा बेघर निवारा केंद्र' के निराश्रितों का सोनाजीराव क्षीरसागर मेडिकल कॉलेज ने लिया पालकत्व

प्रतिनिधि, बीड़

शहर के नई सब्जी मंडी परिसर स्थित जिव्हाळा बेघर निवारा केंद्र, बीड़ में रहने वाले सभी अनाथ और बेघर बुजुर्गों की अब सोनाजीराव क्षीरसागर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल ने जिम्मेदारी उठाई है।

इस कॉलेज के डॉक्टरों द्वारा हर महीने दो बार केंद्र में आने वाले सभी बुजुर्गों और निराश्रितों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और मुफ्त उपचार किए जाते हैं। इसके साथ ही कॉलेज की ओर से सभी जरूरतमंदों के लिए सुबह का नाश्ता और दोपहर के भोजन

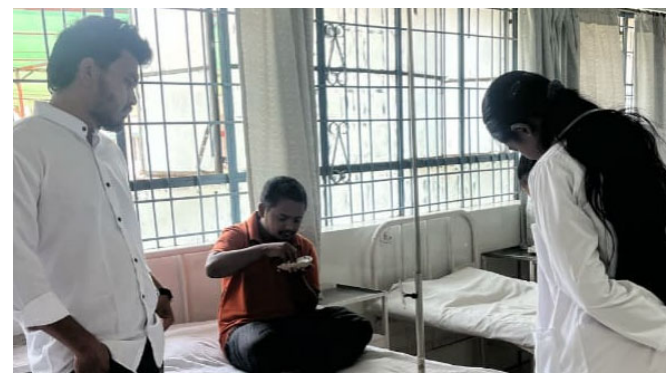

की भी व्यवस्था की जाती है।

इस सेवा के लिए जिव्हाळा परिवार की ओर से महाविद्यालय के सभी डॉक्टरों, प्राचार्य और शिक्षकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया है। कॉलेज की एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से सभी मरीजों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया जाता है, जहां सभी जरूरी जांच और दवाएं मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती हैं।

इसके अलावा, महाविद्यालय की ओर से चाय-नाश्ता और भोजन की नियमित व्यवस्था भी की जा रही है, जिससे निराश्रितों को जीवन की बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

बीते शुक्रवार को आयोजित स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन के लिए जिव्हाळा बेघर निवारा केंद्र के व्यवस्थापक राजू वंजारे, संचालक अभिजीत वैद्य, संचालक यश वंजारे और सहायक छाया ताई सरोदे सहित पूरी टीम ने अथक परिश्रम किए।

बीड जम जम कॉलोनी येथील सोलेहा मुबिन शेख

या ०९ वर्षीय चिमुकलीने पवित्र रमजान महिन्याचा त्याच्या जीवनातील पहिला रोजा पूर्ण केलाय. पहाटे पाच वाजेच्या सुमारास रोजा ठेवला व संध्याकाळी सहा वाजून ४२ मिनिटांनी (उपवास) रोजा सोडला. त्याबद्दल त्याचे सर्व कौटुंबिक सदस्य नातेवाईक मित्र परिवारातील सदस्यांनी कौतुक करुन अभिनंदन केले.

मानवता ही सबसे बड़ा धर्म-जाति-धर्म से ऊपर उठकर किया गया पुण्य कार्य, जावेद खान और उनकी उम्मत सामाजिक संस्था को सलाम!

सोशल मीडिया पर पुणे का एक वीडियो ज़बरदस्त तरीक़े से वायरल हो रहा है, जो मानवता की मिसाल पेश करता है। इस वीडियो को देखकर यकीन होता है कि आज भी इंसानियत जिंदा है। जब राजनीति के नाम पर जाति और धर्म के ज़रिए लोगों को बांटने का काम हो रहा है, तब जावेद खान जैसे लोग समाज को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

रमज़ान का महीना वैसे ही इबादत, संयम और सेवा के लिए जाना जाता है। लेकिन पुणे में हाल ही में घटी एक घटना ने इस पवित्र महीने की महिमा को और भी बढ़ा दिया। जाति और धर्म की सीमाओं से परे जाकर, सिर्फ इंसानियत के नाते एक

अंतिम संस्कार किया गया।

जावेद खान को उनके मित्र माइकल साठे ने एक कॉल किया। पुणे की रास्ता पेठ में रहने वाले ७० वर्षीय सुधीर किंकळे अपने घर में मृत पाए गए। उनके परिवार में केवल उनकी बहन जयश्री किंकळे थीं, लेकिन अंतिम संस्कार में उनका साथ देने वाला कोई नहीं था।

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर जावेद खान ने तुरंत ससून अस्पताल पहुंचकर जयश्री ताई और पुलिस हवलदार होळकर से मुलाकात की। पंचनामा की प्रक्रिया देर तक चलने वाली थी और शव मिलने में रात हो जाती। चूंकि हिंदू परंपरा अनुसार सूर्यास्त के बाद अंतिम संस्कार वर्जित माना जाता है, इसलिए निर्णय लिया गया कि अगले दिन सुबह ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

हालांकि, जावेद खान के लिए अगला दिन रमज़ान की सबसे पवित्र रात थी, जिसे मुस्लिम धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और पूरी रात इबादत में बिताई जाती है।

काझी समीर
पत्रकार, बीड़

लेकिन जावेद खान ने कहा, अल्लाह ने मुझे इस पुण्य कार्य के लिए चुना होगा, और अपनी पूरी टीम - शुभम, शेरू और अन्य साथियों को तड़के ही ससून अस्पताल भेजा।

शव मिलने के बाद पूरी टीम ने वैकुंठ श्मशानभूमि पहुंचकर, सुधीर काका के परिवार के सदस्य बनकर उनका अंतिम संस्कार किया। यह कार्य बिना किसी भेदभाव के, केवल इंसानियत के नाते किया गया।

आज जब समाज जाति, धर्म, भाषा और प्रांत के नाम पर बंट रहा है, तब जावेद खान की इस मिसाल ने यह सिद्ध किया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है।

यह घटना सिर्फ पुणे ही नहीं, पूरे समाज के लिए एक गहरा संदेश है - कि हम सब एक-दूसरे के हैं। यदि अंतिम यात्रा में भी कोई साथ न दे, तो फिर इंसानियत का क्या मतलब? आज सुधीर किंकळे के अंतिम संस्कार में उनके खून के रिश्तेदार न सही, लेकिन इंसानियत के रिश्ते से जुड़े लोग साथ खड़े थे - एक अलग धर्म, अलग जाति से होने के बावजूद।

जावेद खान और उनकी उम्मत सामाजिक संस्था को सलाम - जिन्होंने यह साबित किया कि मज़हब से ऊपर अगर कुछ है, तो वह है इंसान का इंसान से रिश्ता। यही है सच्ची श्रद्धांजलि - एक इंसान द्वारा दूसरे इंसान को दी गई।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com